(ख) यदि हां, तो 1986-87 और 1987-88 के बजटों में रखी गयी विशेष अनुदान राशि में से ग्रामीण श्रमिकों के लिये कितनी राशि का आवंटन किया गया है, और

(ग) इन दोनों प्रदेशों में इससे क्रमश: कितने-कितने लोग लाभान्वित हुए हैं अथवा कितने-कितने लोगों के लाभान्वित होने की संभावना है?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) से (ग) उत्तर प्रदेश सरकार ने 1986-87 तथा 1987-88 के दौरान सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में राहत संबंधी निर्माण कार्य आरम्भ करने के लिए सहायता मांगी है। केन्द्रीय दलों की रिपोर्ट तथा राहत कार्यों संबंधी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर उत्तर प्रदेश ने सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में रोजगार के सृजन के लिए, व्यय की निम्नलिखित अधिकतम सीमा की व्यवस्था की गई है:—

	(करोड़ रुपये)
1986-87	3.45
1987-88	100.62

बाढ़ राहत के अंतर्गत राज्य सरकारों को रोजगार सृजन के लिए केन्द्रीय सहायता विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों, में रोजगार के सृजन के लिए स्थिति की गंभीरता और रोजगार की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर दी जाती है।

बिहार सरकार ने इन वर्षों में पड़े सूखे से राहत के लिए केन्द्रीय सहायता की मांग करते हुए कोई अनुरोध/ज्ञापन प्रस्तुत नहीं किया है।

चावल उत्पादन के लिए नई तथा सस्ती तकनीक

817. **श्रीमती रेणुका चौधरी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा हाल में चावल के उत्पादन के लिये एक नई तथा सस्ती तकनीक विकसित किये जाने के दावे की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में तथ्य क्या हैं; और

(ग) क्या सरकार ने इस दावे की वास्तविकता की जांच परख की है, यदि हां, तो इस तरह की गई जांच के निष्कर्ष क्या हैं?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) जी हां, श्रीमन्।

(ख) और (ग) बताई गई तकनीक में एक विदेशी फलीदार हरी खाद के पौधे **सैस्बेनिया रोस्ट्राटा** को खेत में उगाना और चावल उगाने से पहले इसको जोत देना शामिल है। जड़ों में अधिक प्रभावी ग्रंथियां बढ़ाने हेतु इस पौधे के बीजों को **राइजोबियम** जीवाणु कल्चर से टीका लगाया जाता है। **सैस्बेनिया** की प्रजातियों के विपरीत, इस विशेष प्रजाति में तनों पर भी नवजन निर्धारण ग्रंथियों को उत्पन्न करने की क्षमता है। **सैस्बेनिया रोस्ट्राटा** एक विदेशी पौधा है जिसका इस देश में उत्पन्न करना शुरू किया जा रहा है। इस पौधे की देश के विभिन्न चावल उत्पादक क्षेत्रों में हरी खाद के रूप में अनुकूलता:, इसकी नवजन निर्धारण हेतु क्षमता और चावल की फसल के लिए नवजन की अनुपूरकता की जांच की जा रही है।

Supply of Rapeseed oil to West Bengal

818. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of FOOD AND CWIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what has been the quantity of rapeseed oil supplied to West Bengal in August, September and October during the current year by the Central Government;

(b) whether it is a fact that there has been decline in the supply; and

(c,) if so, the reasons therefor?